



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 296]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 20, 2009/वैशाख 30, 1931

No. 296]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 20, 2009/VAISAKHA 30, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 2009

सं. 15/2009-सेवा कर

सा.का.नि. 347(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 की उप-धारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 9/2009-सीमा शुल्क, तारीख 3 मार्च, 2009 जिसे सा.का.नि. 146 (अ), तारीख 3 मार्च, 2009 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) को प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है यथा :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) पैराग्राफ 1 में, परंतुक में,—

उप-पैराग्राफ (ग) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा :—

“(ग) डेवलपर या विशेष आर्थिक जोन के एकक जो कि ऐसी छूट का दावा कर रहे हों, ऐसे विशेष आर्थिक जोन सेवाओं के भीतर पूरी खपत के अलावा प्राधिकृत प्रचालन के संबंध में प्रयोग की गई विशिष्ट सेवाओं पर भुगतान किये गये सेवा कर को वापस करके किया जायेगा;”

(2) उप-पैराग्राफ (घ) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा :—

“(घ) ऐसा डेवलपर या विशेष आर्थिक जोन के एकक ने जिसने छूट का दावा किया है, खण्ड (ग) के अनुसार, उक्त विनिर्दिष्ट सेवाओं पर सेवा कर का वास्तव में भुगतान किया हो;”

(3) उप-पैराग्राफ (च) के पश्चात, निम्नलिखित उप-पैराग्राफ अंतर्स्थापित किया जायेगा, यथा :—

“(छ) डेवलपर या विशेष आर्थिक जोन की इकाई ने जिस छूट का दावा किया है कर योग्य सेवाओं का समुचित खाते का रख-रखाव होना चाहिए।”

(ख) पैराग्राफ 2 में, शब्द “निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी” के स्थान पर शब्द “विशेष आर्थिक जोन सेवाओं के भीतर पूरी खपत के अलावा निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[फा. सं. 354/163/2006-टीआरयू]

उन्मेष शरद वाघ, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में सा.का.नि. 146 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th May, 2009

**No. 15/2009-Service Tax**

**G.S.R. 347(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 9/2009-Service Tax, dated the 3rd March, 2009 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 146 (E), dated the 3rd March, 2009, namely:—

In the said notification,—

(A) in paragraph 1, in the proviso,—

the sub-paragraph (c), the following shall be substituted, namely :—

“(c) the exemption claimed by the developer or units of Special Economic Zone shall be provided by way of refund of service tax paid on the specified services used in relation to the authorised operations in the Special Economic Zone except for services consumed wholly within the Special Economic Zone;”

(2) for sub-paragraph (d), the following shall be substituted, namely:—

“(d) the developer or units of Special Economic Zone claiming the exemption, by way of refund in accordance with clause (c), has actually paid the service tax on the specified services.”

(3) after sub-paragraph (f), the following sub-paragraph shall be inserted, namely :—

“(g) the developer or unit of a Special Economic Zone shall maintain proper account of receipt and utilisation of the taxable services for which exemption is claimed.”

(B) in paragraph 2, for the words, “shall be subject to the following conditions”, the words, “, except for services consumed wholly within the Special Economic Zone, shall be subject to the following conditions” shall be substituted.

[F. No. 354/163/2006-TRU]

UNMESH SHARAD WAGH, Under Secy.

**Note :** The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 146(E), dated 3rd March, 2009.